श्रद्धा द्वारा बाल श्रम की समस्या का उन्मूलन करना

विश्व बाल श्रम दिवस पर श्रद्धा संस्था ने शपथ ली कि बाल श्रम को रोकने के लिए हर प्रकार प्रयास किये जायेंगे। श्रद्धा संस्था Slum area (गन्दी बस्ती के क्षेत्र) में कामकाजी बच्चों के खिलाफ बुराड़ी (दिल्ली) में काम कर रही है। संस्था ने बच्चों को शपथ दिलाई कि वे स्वयं बाल श्रम नहीं करेंगे और अपने साथ पांच बच्चों को भी इसके लिए जागरूक करेंगें तथा उन्हें बाल श्रम से मुक्ति दिलाएंगे। बच्चों के साथ–2 संस्था के अन्य कार्यकर्ताओं ने भी शपथ ली कि ऐसे बच्चों को बाल–श्रम से मुक्ति दिला कर शिक्षा की ओर अग्रसर करेंगे। इस अवसर पर **संस्था के अध्यक्ष श्री सत्य प्रकाश भारद्वाज** ने कहा 'बाल–श्रम एक सामाजिक व कानूनी अपराध है। बाल–श्रम को हर हाल में रोकना होगा तथा समाज की हर एकार से मदद करनी होगी और उन्हें किसी प्रकार से शोषण का शिकार नहीं होने देंगे।'' **संस्था की संस्थापक श्रीमति वीना चोपड़ा** ने कहा कि ''बाल मजदूरी, हमारे समाज के लिए अभिशाप है और संस्था यह प्रण लेती है कि बाल मजदूरी से बच्चों को निकालकर उन्हें अच्छी शिक्षा देकर विद्यालय में प्रवेश कराएंगी''।

महसूस करना चाहता हूँ बचपन की मौज–मस्ती,
तारों की टिम–टिमाहट मैं भी देखना चाहता हूँ,
आखिर मैं भी पढना चाहता हूं,
आखिर मैं भी पढना चाहता हूं।

भारत में बच्चों को भगवान का रूप माना जाता है। लेकिन वही बच्चे जब बाल मजदूरी करने के लिए मजबूर हो जायें तो उस स्थिति को हम शर्मनाक मान सकते हैं। दुर्भाग्य से विश्व में सबसे ज्यादा बाल मजदूर हमारे देश भारत में है। बाल मजदूरी हमारे ऊपर एक अभिशाप है। और इस अभिशाप को खत्म करने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी कार्य क्षेत्र में कार्य करवाना बाल मजबूरी या बाल श्रम के अन्तर्गत आता है। बाल मजदूरी की समस्या का मुख्य कारण गरीबी हैं, गरीबी के कारण उन बच्चों के माता–पिता उन्हें पढ़ा नही पाते, और उन्हें काम करने भेज देते हैं, ताकि वो बच्चे उनके परिवार के खर्च में कुछ सहायता कर सकें। बाल–मजदूरी को रोकने के लिए गरीबी का उन्मूलन बहुत जरूरी है। नशे की प्रवृत्ति भी बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण है। नशे के कारण यह लोग अपने बच्चों से कार्य कराते हैं, तथा लालची मिल मालिकों, दुकानदारों, ठेकेदारों, होटल मालिकों आदि द्वारा सस्ती मजदूरी के लालच में बच्चों का शोषण करते हैं ऐसे लोगों को कठोर कानून दंड देना बाल श्रम को रोकने में सहायक होगा, तथा बाल मजदूरी के

खिलाफ आम लोगों को जागरूक करना अत्यन्त आवश्यक है। अगर आपके आस पास कहीं पर भी कोई बच्चा मजदूरी या बाल–श्रम करता हुआ दिखे तो उसकी शिकायत 1098 पर करें। इस समस्या को रोकने के लिए सरकार को भी कुछ कठिन निर्णय लेने की जरूरत है। सिर्फ कानून बनाने से बाल मजदूरी नहीं रुकने वाली। सरकार के साथ श्रद्धा भी कदम से कदम मिलाकर इस समस्या को खत्म करेगी, तथा उन बाल मजदूरों को उनका बचपन वापस लौटायेगी।

बच्चों के मासूम बचपन के खोने पर बिलख रहा है विश्व,
न रोका गया इसे जल्दी से तो, खो देगा हर राष्ट्र अपना भविष्य।

बाल–श्रम हमारे देश और समाज के लिए बहुत ही गम्भीर समस्या हैं। आज समय आ गया है कि हमें इस विषय पर बात करने के साथ–2 अपनी नैतिक जिम्मेदारी भी समझनी होगी। बाल मजदूरी को जड़ से उखाड़ फेंकना हमारे देश के लिए एक चुनौती बन चुका है, क्योंकि माता–पिता ही उनसे कार्य करवाने में लगे हैं। आज हमारे देश में किसी बच्चे को कठिन कार्य करते हुए देखना आम बात हो गई हैं।

बच्चों का बचपन खराब हो रहा है इससे बच्चों का भविष्य तो खराब होता ही है, साथ में देश में गरीबी फैलती है, और देश के विकास में बाधा आती है।

बाल मजदूरी का सबसे बड़ा कारण देश में गरीबी होना है। गरीब परिवार के लोग अपनी आजीविका चलाने में असमर्थ होते हैं इसलिए वे अपने बच्चों को बाल मजदूरी के लिए भेजते हैं।

शिक्षा के अभाव के कारण माता–पिता यही समझते हैं कि जितना जल्दी बच्चे कमाना सीख जाये उतना ही जल्दी उनके लिए अच्छा होगा।

हमारे देश में लाखों की संख्या में बच्चे अनाथ होते हैं। बाल–श्रम को बढ़ने का एक यह भी कारण है कि कुछ माफिया के लोग उन बच्चों को डरा–धमका कर भीख मांगने या मजदूरी करने भेज देते हैं।

कई बार बच्चों को पारिवारिक मजबूरियां भी होती है क्योंकि कुछ ऐसी दुर्घटनाएं हो जाती है जिसके कारण परिवार में कमाने वाला कोई नही रहता इस कारण उन्हें मजबूरी वश बचपन में ही होटल, ढाबा, चाय की दुकानें, कारखानों में मजदूरी के लिए जाना पड़ता है।

भारत में जनसंख्या वृद्धि दर बहुत तेजी से बढ रही है जिसके कारण जरूरत की वस्तुओं का मूल्य दिन–प्रतिदिन बढ़ता ही रहता है। गरीब लोग अपने परिवार का भरण–पोषण नही कर पाते इसलिए परिवार के सभी सदस्यों को मजदूरी करनी पड़ती है जिसमें बच्चे भी शामिल होते हैं तथा ना चाहते हुए भी बच्चों को परिश्रम करना पड़ता है।

बाल मजदूरी का कारण भष्ट्राचार भी है तभी तो बड़े–बड़े होटलों, ढ़ाबों और कारखानों पर उनके मालिक बिना किसी भय के बच्चों को मजदूरी पर रख लेते है उन्हें पता होता है कि यदि वे पकड़े भी गये तो वो घूस देकर छूट जायेंगे। इस कारण भ्रष्टाचार बाल मजदूरी में अहम भूमिका निभाता हैं।

बाल–श्रम करवाने वाले लोग नियम कानूनों को ताक पर रखकर उन्हें खतरनाक कार्य में लगा देते हैं साथ ही उनसे कई घन्टों तक कार्य करवाते रहते हैं तथा कई बार उन्हें सप्ताह के दौरान मिलने वाली छुट्टी भी नहीं दी जाती। इससे उनके शरीर में त्वचा, फेफड़ों के रोग, टीबी और कमजोर नजर के लक्षण पाये जातें हैं साथ ही काम के दौरान चोट आदि लगने का भय भी बना रहता है।

बाल मजदूरी में जो लडकियां शामिल होती हैं कई बार उनके कार्यस्थल पर यौन–शोषण होता हैं उन्हें किसी को न बताने की धमकी दी जाती है या पैसों के लालच में यह सब करवाया जाता है।

बाल मजदूरी और बाल तस्करी एक दूसरे के समपूरक हैं कई बार बच्चों को अच्छा काम दिलवाने के लालच में दूसरी जगह ले जाया जाता है और वहां काम की आड़ में बाल तस्करी को अन्जाम दे दिया जाता है जो कि एक बेहद खतरनाक कार्य है।

बाल मजदूरी को समाप्त करने के उपाय :– देश में बाल मजदूरी को समाप्त करने के लिए सबसे पहले देश से गरीबी को खत्म करना जरुरी है। सरकार को भी कुछ और कठिन कदम उठाने होंगे लेकिन सिर्फ सरकार के कड़े कदम उठाने से इस समस्या का समाधान नही होगा। नागरिकों को भी अपना सहयोग देना होगा। तथा हर नागरिक को बाल मजदूरी के खिलाफ अपनी आवाज बुलन्द करनी होगी सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है कि बाल शोषण को समाज से खत्म करें और जहाँ भी बाल– मजदूर दिखे, उन्हें काम से रोककर उनकी समस्या को दूर करने का प्रयास करें या प्रशासन को सूचित करें।

राष्ट्र के उत्थान के लिए है, ये एक समाधान
बाल श्रम को रोककर, बनायें देश को महान।